भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में वृहस्पतिवार, तिथि २८ मार्च, १९५७ को २ बजे अपराह्न में माननीय अध्यक्ष, श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

डा० अनुग्रह नारायण सिंह—महाशय, में गत सप्तम् (फरवरी—अप्रील, १९५५) सत्र के रुके हुए शेष १९३ अतारांकित प्रश्नों में से १-प्रश्न का उत्तर मेज पर रखता हूं।

गिरीडीह सबडिवीजन के कुछ थानों के सिपाहियों का विवरण।

६४०। श्री पुनीत राय—क्या मुख्य मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) गिरीडीह सबडिवीजन के धनवार, बिरनी, गांवा, सतगांवा, देवरी, जमुआ, बेंगाबाद, गान्डे, गिरीडीह, पीरटांड, डुमरी, नवाडीह तथा बिरनी थानों में कहां कितने सिपाही रहते हैं;

(ख) सिपाहियों के रहने, भोजन बनाने, सोने के लिये चौकी एवं मनोरंजन के लिये कहां क्या-क्या प्रबन्ध है, एवं कहां-कहां प्रबन्ध की त्रुटी है, एवं उस त्रुटी की पूर्त्ति के लिये सरकार क्या सोच रही है;

(ग) जाड़े से बचने के लिये सिपाहियों को कौन-कौन गर्म कपड़े दिये जाते हैं, एवं कितने-कितने दिनों पर दिये जाते हैं;

(घ) सिपाहियों को कौन-कौन कपड़े दिये जाते हैं?

(ङ) क्या सरकार बतलायेगी कि इन उपरोक्त थानों के सभी सिपाहियों को सभी कपड़े समयानुसार एव नियमानुसार दिये जा चुके हैं, अगर नहीं, तो कहां-कहां नहीं दिया गया है एवं क्यों नहीं दिया गया?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) ब्योरे नीचे दिये जाते हैं:—

धनवार	६
बीरनी	८
जमुआ	६
बेंगाबाद	६
गान्डे	६
गिरीडीह शहर	६
गिरीडीह मुफस्सिल	६
पीरटांड	६
डुमरी	६
नावाडीह	६

(ख) यहां सिपाहियों के रहने के लिये बैरकें और रसोई बनाने के लिये रसोईघर हैं। प्रत्येक सिपाही को एक चारपाई दी गयी है।

INCOME AND EXPENDITURE OF THE RAJYA TRANSPORT BUSES.

274. Shri RAMANAND TIWARI : Will the Minister incharge Political (Transport) Department be pleased to state—

(1) the number of Rajya Transport buses plying on different routes in the State;

(2) what is the total income and expenditure from these buses upto financial year 1955-56;

(3) what is the arrangement for repairing buses and what is the expenditure over them upto Financial year 1955-56 ?

श्री महेश प्रसाद सिन्हा—(१) राज्य के राष्ट्रीयकरण किये गये विभिन्न मार्गों में राज्य ट्रान्सपोर्ट की २४५ गाड़ियां चलती हैं।

(२) वित्त वर्ष १९५५-५६ तक राज्य ट्रांसपोर्ट की कुल आय एवं व्यय इस प्रकार हैं :—

वित्त वर्ष।	आय (रु० में)।	व्यय (रु० में)।
१९५२-५३	११,८६,४६८	१०,४६,८५५
१९५३-५४	३९,३८,२६५	३७,६०,७५०
१९५४-५५	६०,६९,५६६	६७,९३,३२४
१९५५-५६	६२,७७,८०६	८२,१५,३६३
कुल	१,७४,७२,१०५	१,९८,१६,२९२

(३) पटना में एक केन्द्रीय कारखाना है जहां गाड़ियों की वृहत् मरम्मती, परीक्षण एवं पूर्ण सफाई (ओभर हौल्स) की जाती है और सभी प्रमंडलों के कारखानों में गाड़ियों को लघु मरम्मत एवं रक्षा की जाती है। राज्य ट्रांसपोर्ट के प्रमुख स्टेशनों में गाड़ियों की लघु मरम्मत एवं देखरेख करने के लिये भी व्यवस्था की गई है। गाड़ियों के इन मरम्मती इत्यादि में वित्त वर्ष १९५५-५६ के अन्त तक निम्नलिखित व्यय हुए हैं :—

वित्त वर्ष।	मरम्मती एवं रक्षा इत्यादि में खर्च। रु०
१९५२-५३ ..	१,७३,९३४
१९५३-५४ ..	..
१९५४-५५ ..	५,९२,७६८
१९५५-५६ ..	३,९२,४८७
कुल ..	११,६०,१८९